Rhymes

B

TWO IN ONE RHYMES

Written by:-
Anjali

A Prayer

Thank you God for the world so sweet.
Thank you God for the things we see.
Thank you God for the food we eat.
Thank you God for the birds that sing.
Thank you God for everything.

TWO LITTLE DICKY BIRDS

Two little dicky birds,
Sitting on a wall.
One name Peter,
The other name Paul.
Fly away, Peter,
Fly away Paul.
Come back Peter!
Come back Paul!!

Tea Pot

I am a tea pot,
Fat and stout.
This is my handle,
And this is my spout.
When the water's boiling
Hear me shout.
Just lift me up
And pour me out.

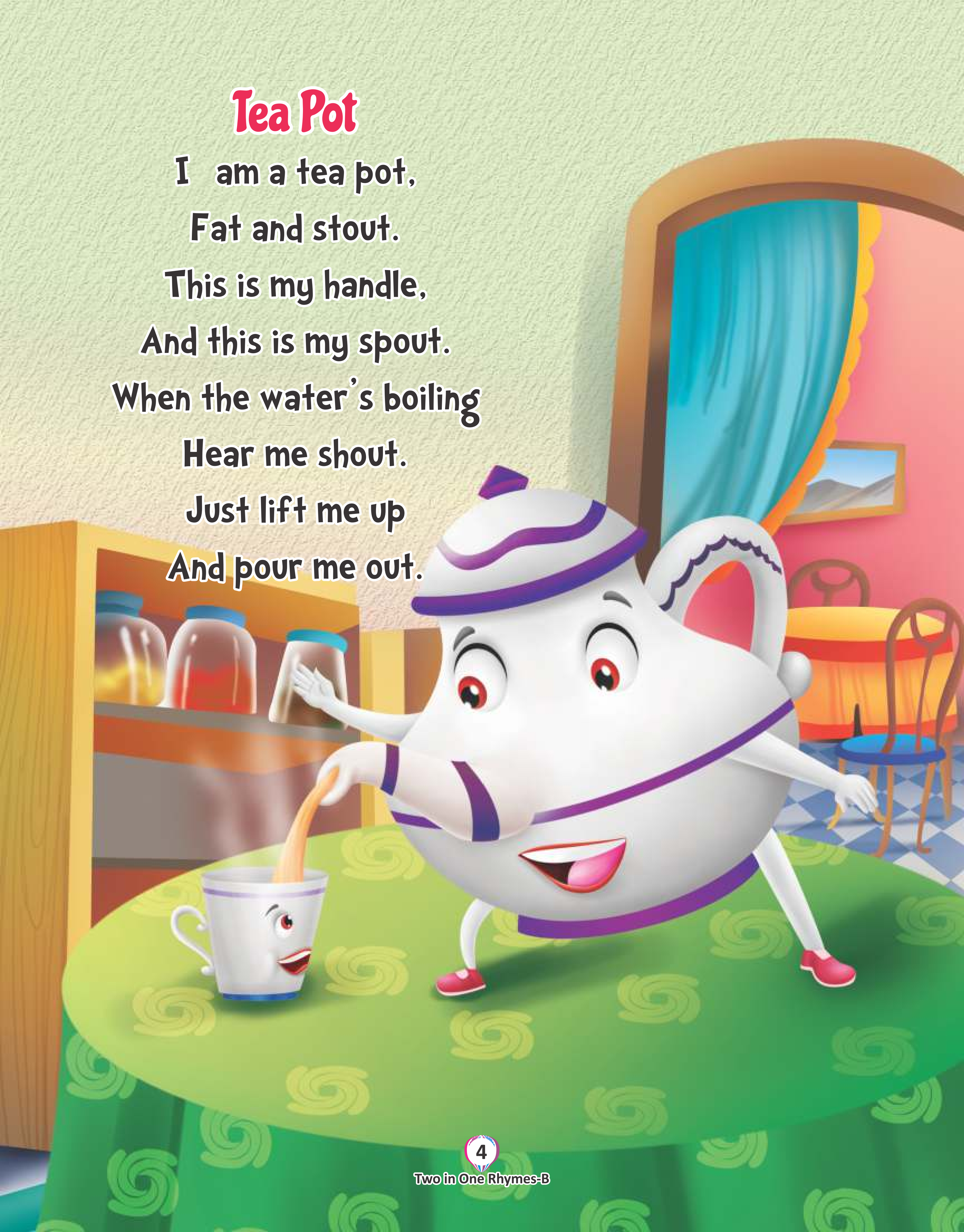

Chubby Cheeks

Chubby cheeks, dimple chin,
Rosy lips, teeth within,
Curly hair, very fair,
Eyes so blue, lovely too.
Teacher's pet, is that you?
"Yes, Yes, Yes."

GOOD NIGHT

Good night,
Sleep tight,
Wake up bright,
In the morning light,
To do what's right,
With all your might.

Ding, Dong, Bell

Ding, dong, bell,
Pussy's in the well.
Who put her in?
Little Tommy thin.
Who pulled her out?
Little Johny stout.

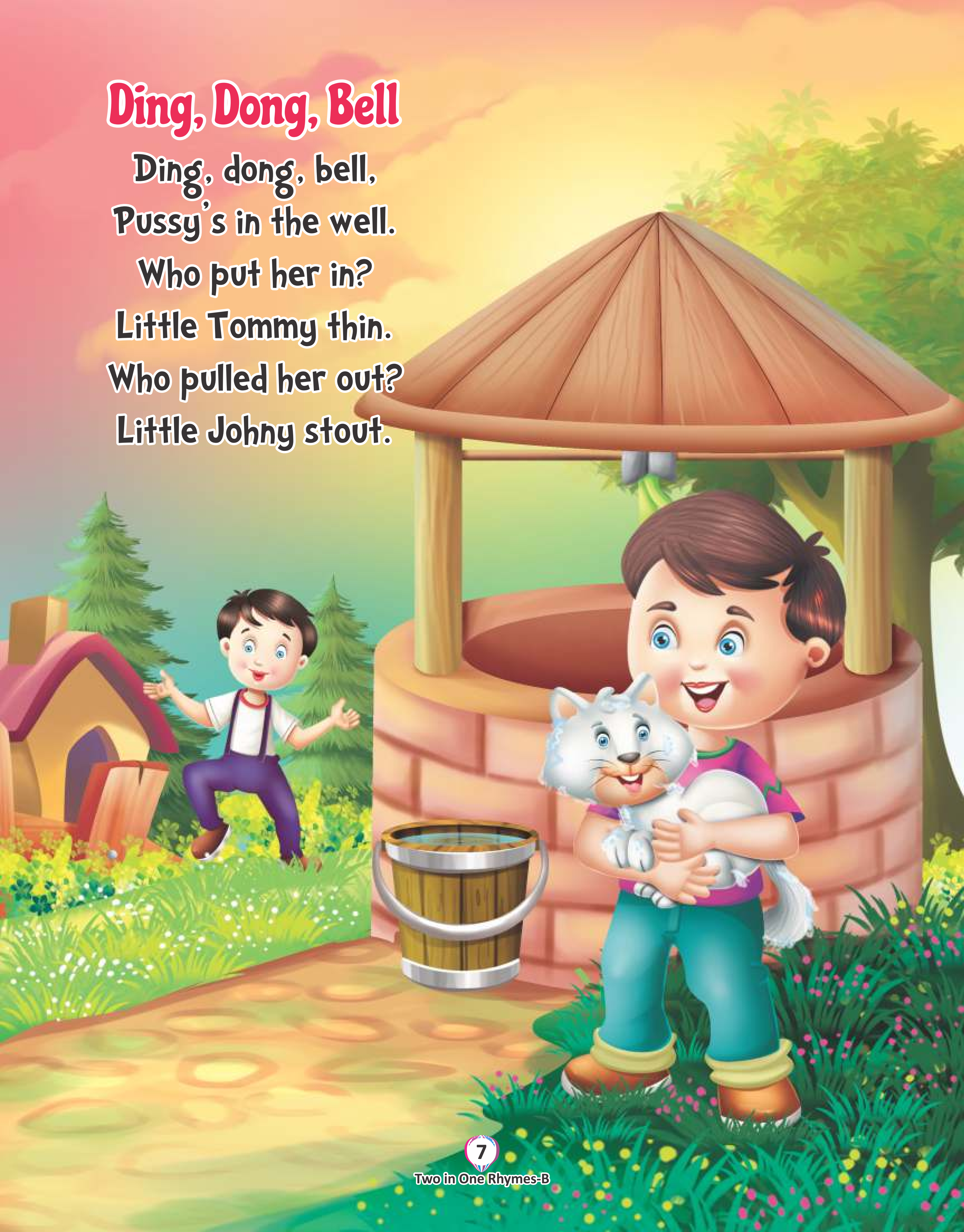

TWO LITTLE HANDS

Two little hands go,
Clap, clap, clap.
Two little legs go,
Stamp, stamp, stamp.
Two little eyes, what do I see?
And one little mouth,
Oh! dear me.

Five Little Soldiers

Five little soldiers,
Standing in a row,
Three stood straight,
And two stood so.
Along came the captain,
And what do you think?
They all stood straight,
As quick as a wink.

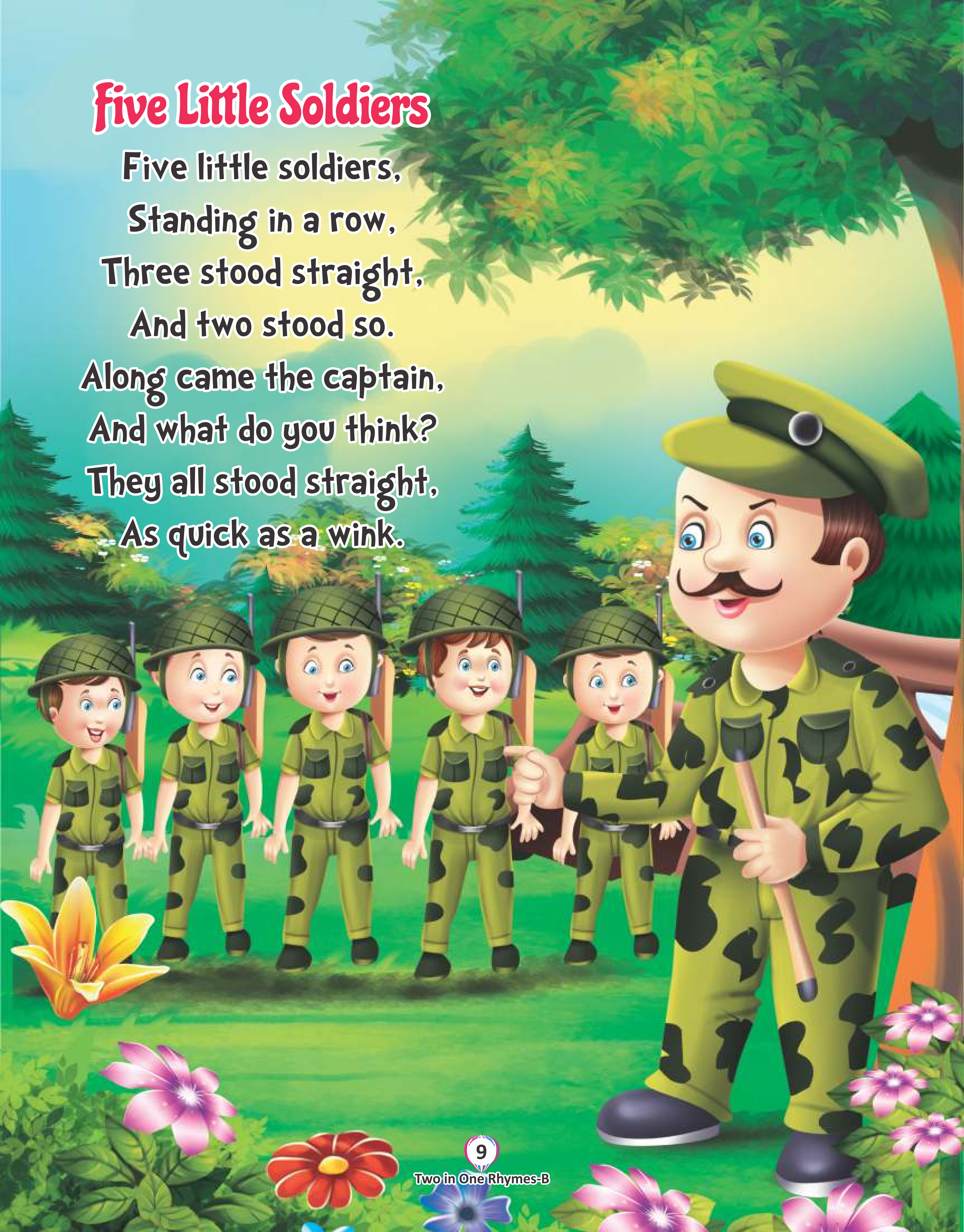

Bits of Paper

Bits of paper, bits of paper
Lying on the floor
Lying on the floor.
Makes the place untidy,
Makes the place untidy;
Pick them up, pick them up.

Cobbler, Cobbler

Cobbler, Cobbler, mend my shoe.
Get it done by half past two.
Stitch it up and stitch it down.
Then I'll give you half a crown.

The Lion and the Mouse

A lion caught a mouse one day. The mouse said "Please don't eat me. Some day I'll help you". The lion let him go.

The next day, the lion was caught in a hunter's net. The lion roared and roared. The mouse came there nibbled at the net and let the lion go.

Moral : Everything has its own value.

ईश्वर को धन्यवाद

धन्यवाद करूं तेरा भगवान,
तूने दिया है जीवन दान।
सुंदर फल और फूल बनाए,
गगन में तारे, चाँद सजाए।
पेड़ों पर चिड़िया भी गाए,
मीठे-मीठे राग सुनाए।

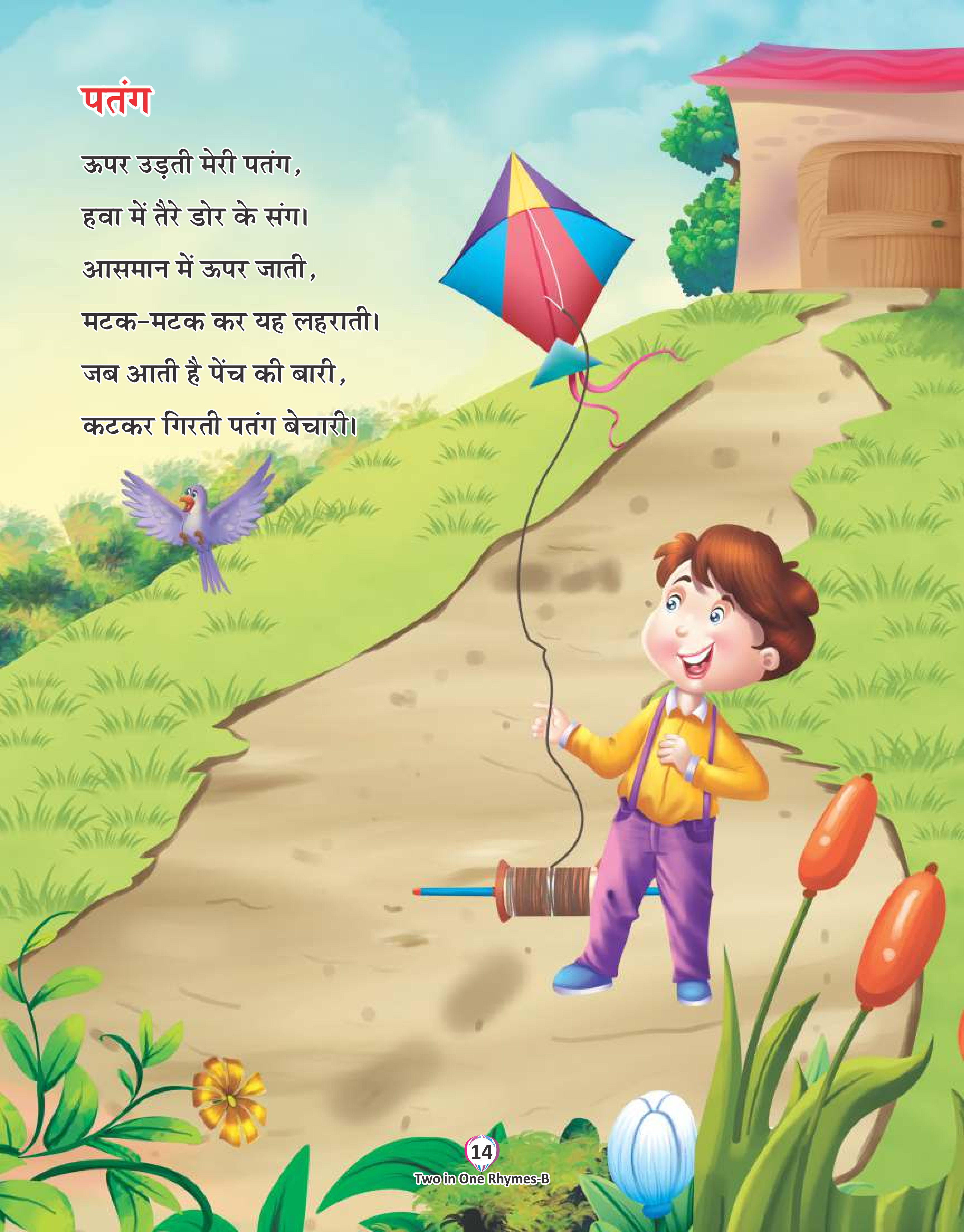

पतंग

ऊपर उड़ती मेरी पतंग,
हवा में तैरे डोर के संग।
आसमान में ऊपर जाती,
मटक-मटक कर यह लहराती।
जब आती है पेंच की बारी,
कटकर गिरती पतंग बेचारी।

घड़ी

टिक-टिक करती समय बताती,
सुबह सवेरे हमें जगाती।
हरदम चलना, कभी न रुकना,
जीवन में तुम आगे बढ़ना।
सीख हमें यह देती है,
फिर भी कुछ न लेती है।

दुनिया गोल

दादा जी का डंडा गोल,

दादी माँ की ऐनक गोल।

मम्मी जी की रोटी गोल,

पापा जी का पैसा गोल।

बच्चे कहते लड्डू गोल,

मैडम कहती दुनिया गोल।

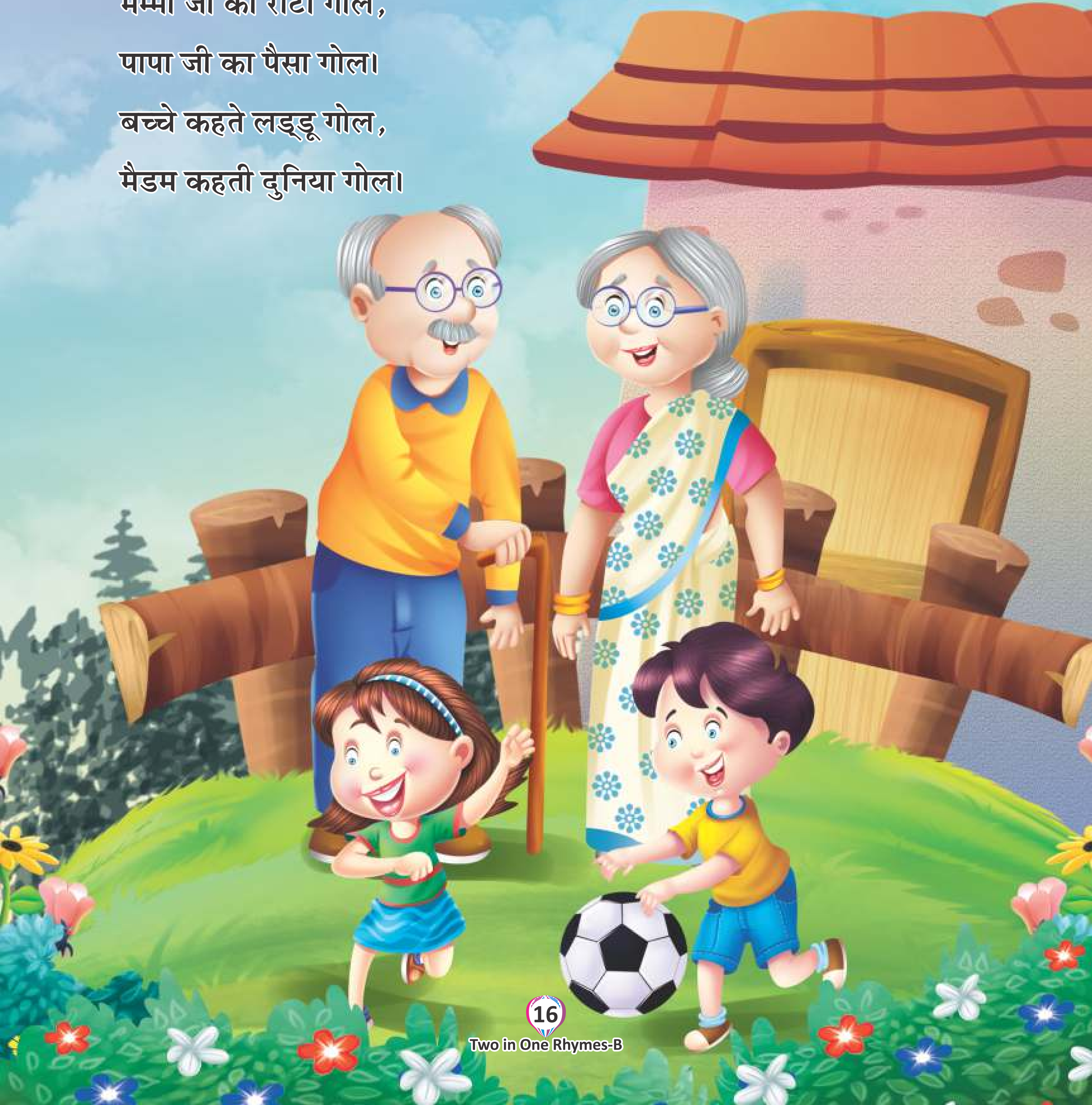

आम

सभी फलों का राजा आम,
खाओ इसे सुबह और शाम।
कितना मीठा और रसीला,
लाल-लाल और पीला-पीला।
सबके मन को भाता है,
मजा बहुत ही आता है।

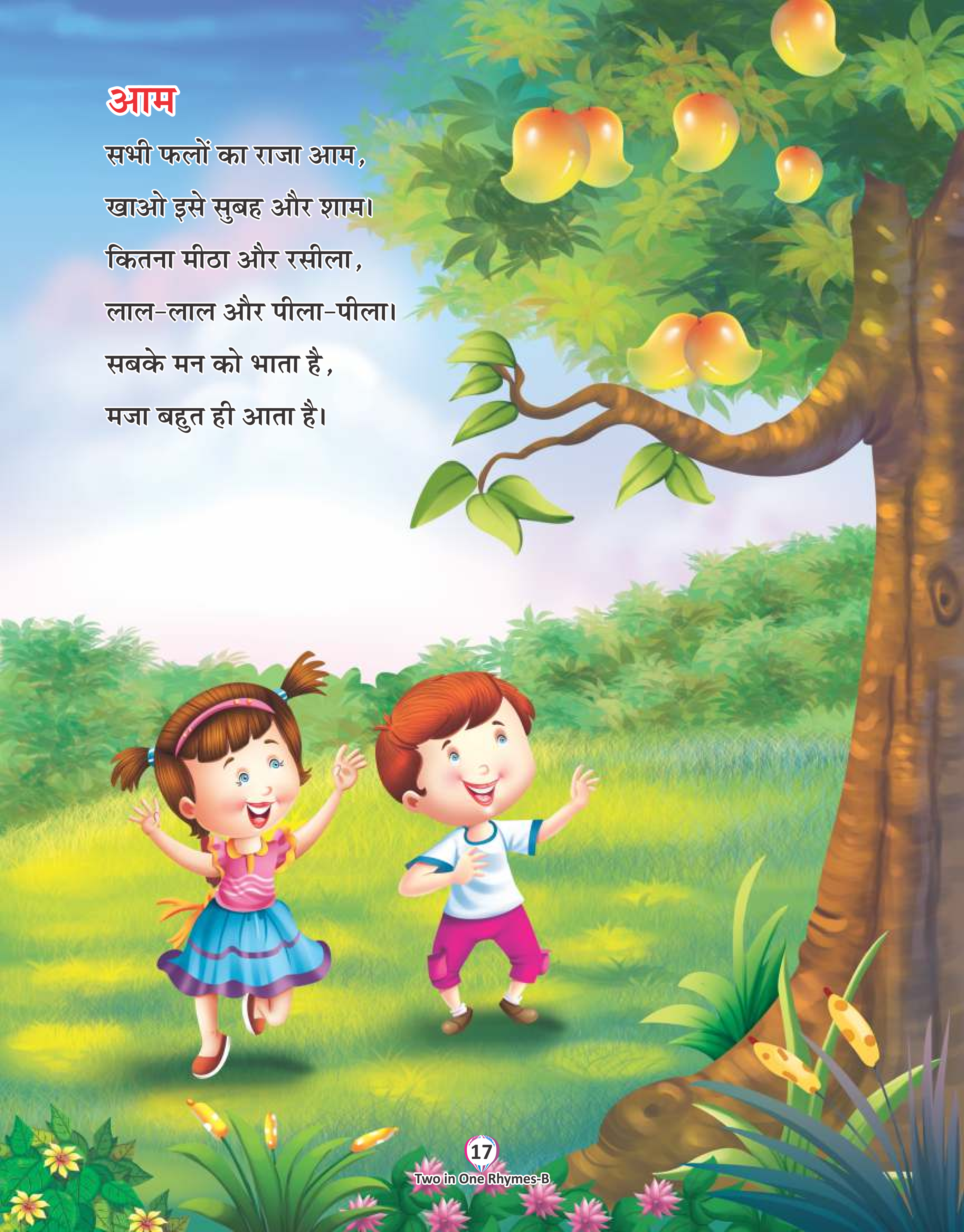

आओ झूला झूलें

आओ मिलकर झूला झूलें
पेंग बढ़ा कर नभ को छूलें।
ठंडी हवा भी बहती जाए,
पेड़ पर चिड़िया गाना गाए।
दिन आज बड़ा सुहाना है,
जल्दी घर नहीं जाना है।

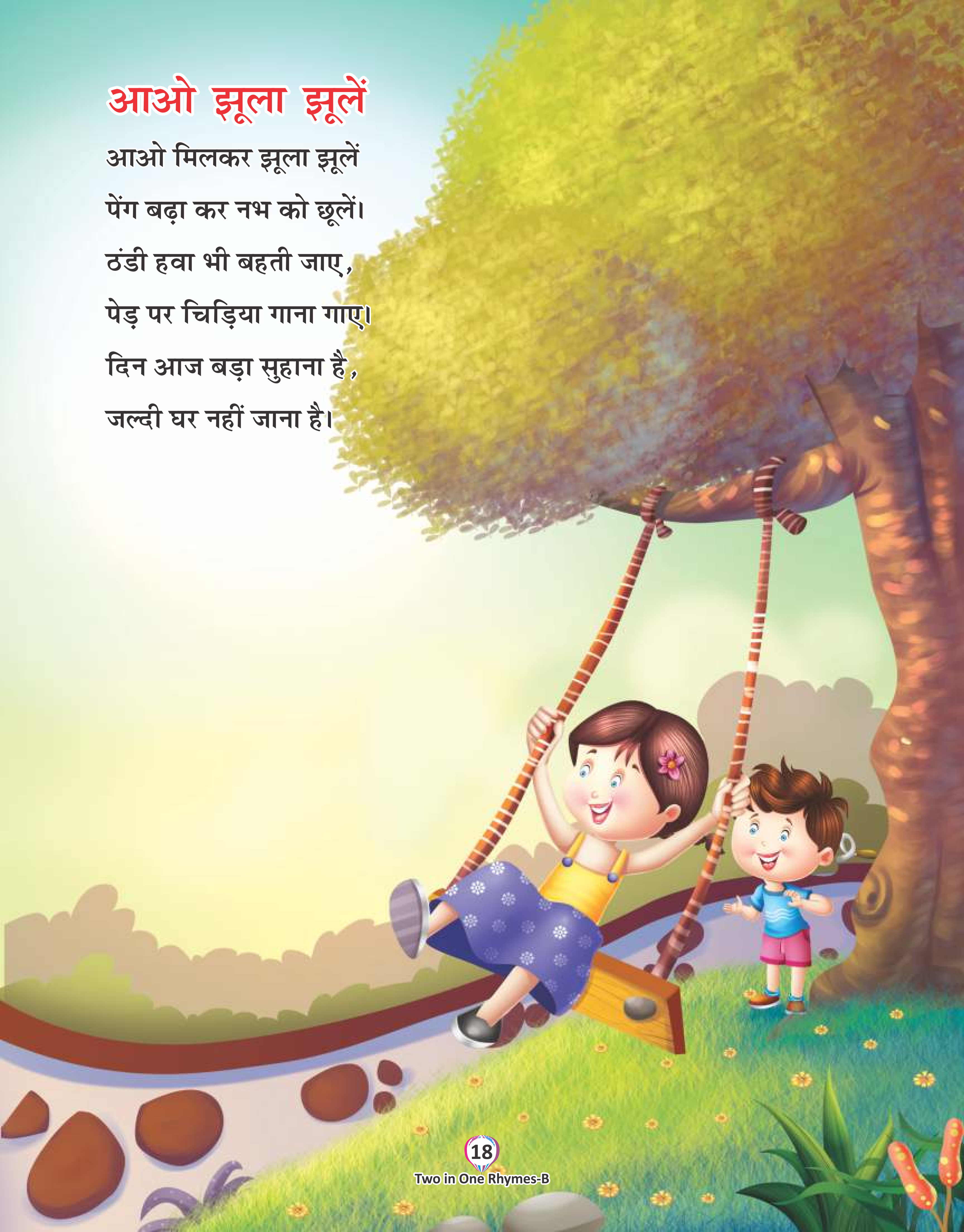

खट्टे अंगूर

एक बड़ा अंगूर का गुच्छा,
लटका था वो सबसे ऊँचा।
देख लोमड़ी उसे ललचाई,
झटपट उसने छलाँग लगाई।
हाथ नहीं जब कुछ भी आया,
खट्टे हैं अंगूर बताया।

गिनती

एक, दो, तीन, चार,
आज शनि है कल इतवार।
पाँच, छः, सात, आठ,
याद करूँगा सारा पाठ।
इसके आगे नौ और दस,
हो गई गिनती पूरी बस।

बादल

उमड़-घुमड़ कर आते बादल,
बरखा रानी लाते बादल।
रुई के जैसे उड़ते रहते,
हर पल ये आकर बदलते।
धड़क-धड़क जब बिजली कड़के,
ये बादल तब छम-छम बरसें।

वर्षा रानी

वर्षा रानी, अभी न आना,
अभी है मौसम बड़ा सुहाना।
नहीं चलेगा कोई बहाना,
क्या है जल्दी, फिर आ जाना।
ठंडी-ठंडी चली हवा है,
देखो मुन्ना खेल रहा है।

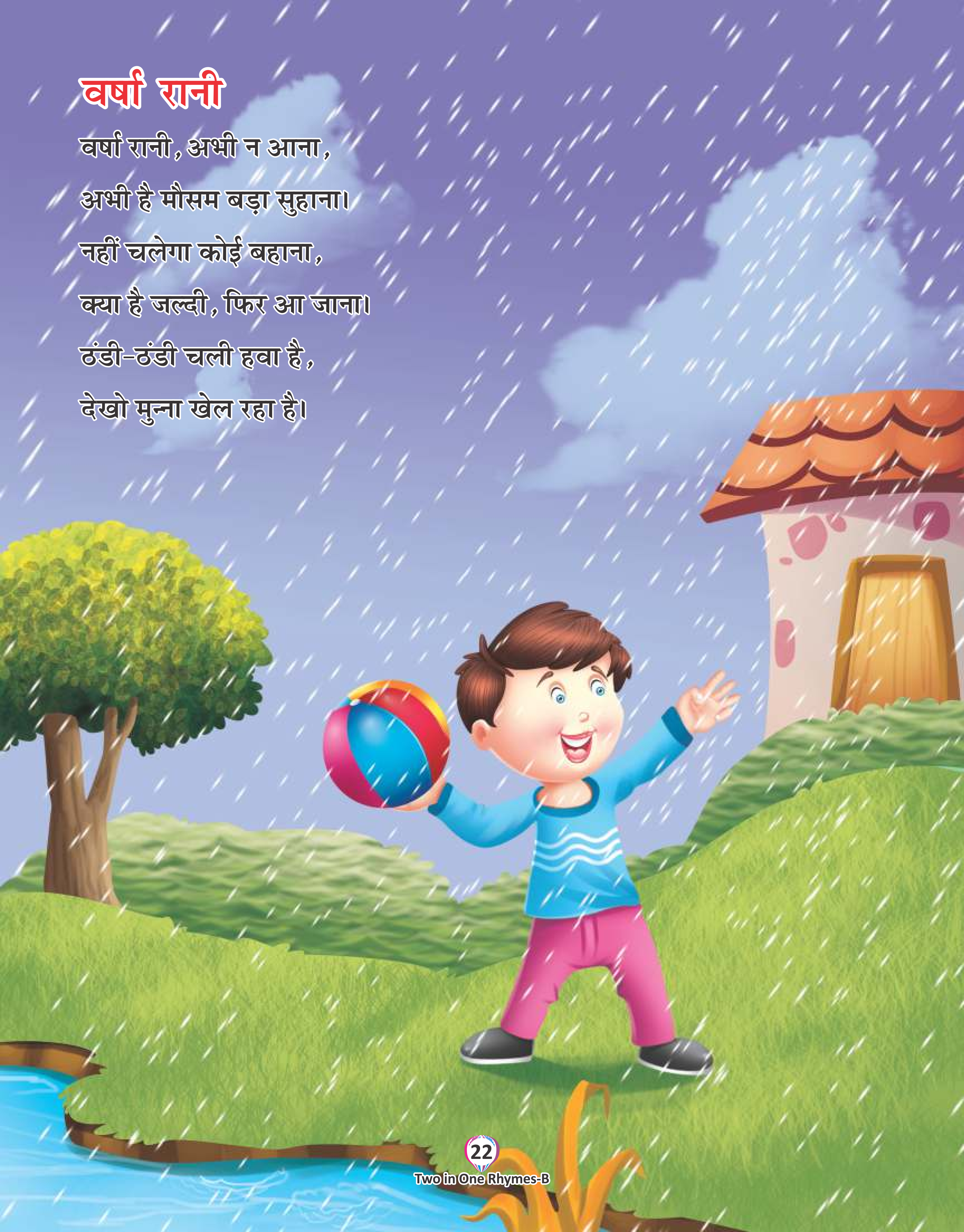

मेरी माँ

मेरी माँ है कितनी प्यारी,
सबसे सुंदर, सबसे न्यारी।
मीठी-मीठी लोरी गाती,
लोरी गाकर मुझे सुलाती।
मुझे पढ़ाती, मुझे लिखाती,
सच बोलना मुझे सिखाती।

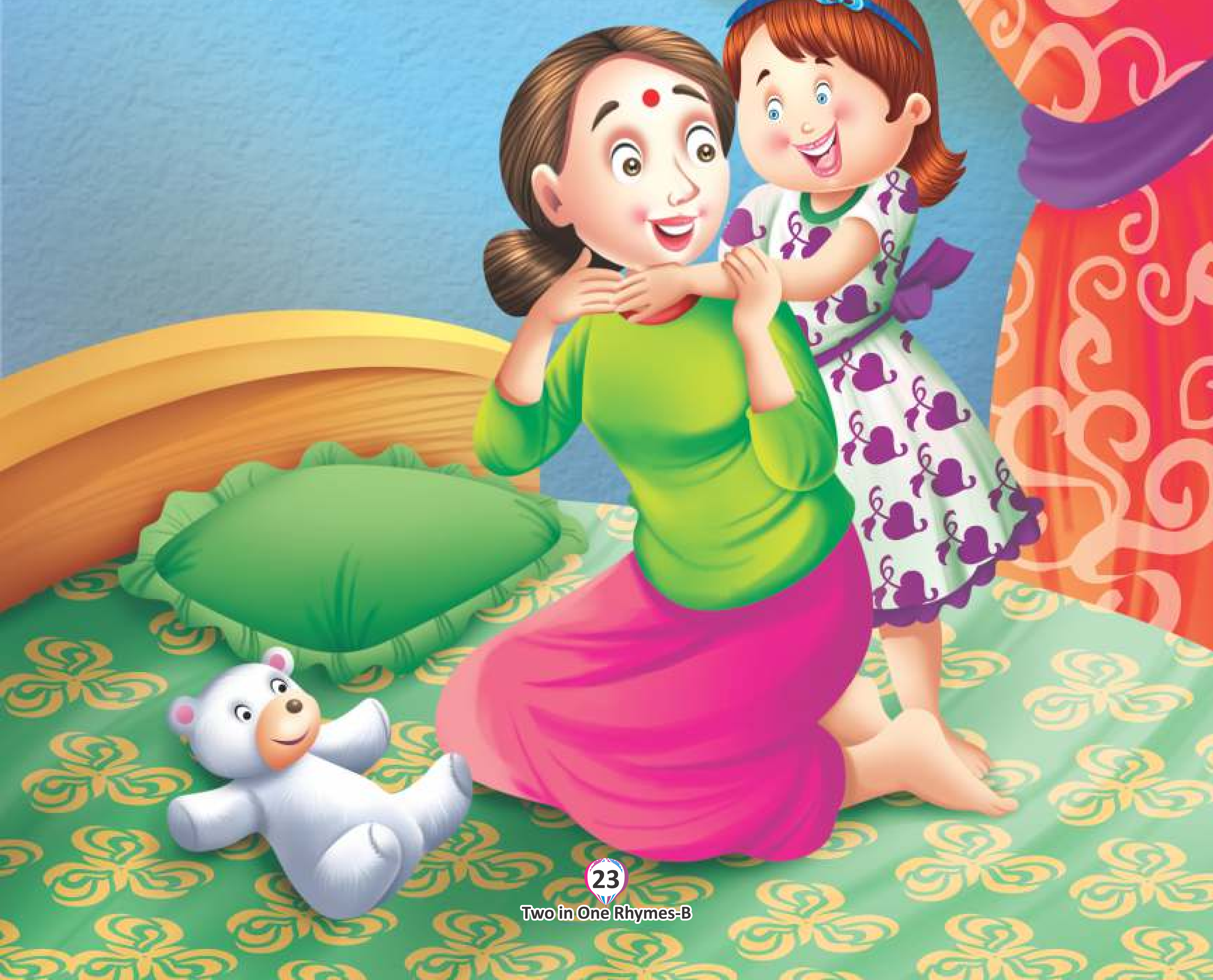

मूर्ख बंदर

किसी गाँव में एक मंदिर बन रहा था। वहाँ आम का एक पेड़ था, उसपर एक शरारती बंदर रहता था। एक दिन जब सभी मजदूर भोजन करने चले गए तब वह शरारती बंदर नीचे उतर कर आया।

बंदर को एक आधी कटी हुई लकड़ी मिली, उसमें एक गुल्ली फंसी हुई थी, बंदर ने उस गुल्ली को निकालने की पूरी कोशिश की। काफ़ी कोशिश करने के बाद गुल्ली एक झटके से निकल गई, लेकिन बंदर की टांग उस आधी कटी लकड़ी में फंस गई। जब मजदूर वहाँ लौटकर आए तब उन्होंने बंदर की खूब पिटाई की। बंदर को अपनी शरारत की सज़ा मिल गई।

इसलिए कहा गया है कि हमें दूसरों के काम में अपनी टांग नहीं अड़ानी चाहिए।